* D B Z - 1 9 0 7 0 2 0 1 0 2 1 8 0 0 *

DBZ-19070201021800 Seat No. ______

B. R. S. (Sem. II) (CBCS) Examination

July - 2022

Hindi : Core-204

(आँचलिक उपन्यास)

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ भैरवप्रसाद गुप्त के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

१ उपन्यासकला के तत्वों के आधार पर 'गंगामैया' उपन्यास की समीक्षा कीजिए । १५

२ 'गंगामैया' उपन्यास का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । १५

अथवा

२ आँचलिक उपन्यास के उद्‌भव–विकास पर प्रकाश डालिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए । १५

(१) 'क्या करें, बिलरा भाग्य के आगे किसका बस चलता है ? विधाता ने सेनुर मिटा दिया, करम फोड दिया, तो अब इस तरह से–धोकर ही तो जिन्दगी काटनी है । तू दुःख काहे को करता है ? करम का साथी कौन होता है ?'

(२) 'बेचारा मानिक ! उसकी जवान बहू की जिन्दगी हंमेशा के लिए दुखी हो गयी । इन कायरों को इनका जघन्य पाप निगल जायेगा । बदला ही लेना या तो मर्दो की तरह मेदान में लेते ।'

(३) 'दूसरे की बेटी क्या इस तरह किसी की सेवा कर सकती है ? यह तो मेरा सौभाग्य है, बेटी कि तुझ–सी बहू मुझे मिली । नहीं तो कौन जाने अब तक मेरी मिट्टी कहाँ गल–पच गयी होती ।'

(४) 'तेरे ये सब लच्छन अच्छे नहीं है । मुझे दिमाग दिखाती है । जो भगवान के घर से लेकर आयी थी, यही तो सामने पड़ा है । चाहे रोकर भोग चाहे हँसकर इससे विस्तार नहीं । भले से रहेगी तो दो रोटी मिलती रहेगी ।'

(५) 'तुम यहाँ के रहने वाले नहीं हो क्या ? अरे, पुजारी को भागे हुए तो आज तीन बरस के करीब हो गये । गाँव की एक बेवा के साथ पकड़ा गया था । उसे लेकर जाने कहाँ मुँह काला कर गया ।'

४ मटरुसिंह की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए । १५

अथवा

४ 'गंगामैया' उपन्यास में वर्णित समस्याओं पर प्रकाश डालिए । १५

५ 'गंगामैया' उपन्यास के आधार पर भाभी के चरित्र पर प्रकाश डालिए । १०

अथवा

५ 'गंगामैया' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए । १०